अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 20/11/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्रश्न 1) लिपिबध्द करें। (कोई तीन) **(5X3=15)**

1) मत्तताल में परन।

2) रासताल में गिनती की तिहाई।

3) धमार में कवित्त।

4) तीनताल में तिपल्ली।

5) शिखरताल में चक्रदार तोडा।

प्रश्न 2) अ) सही या गलत बतलाईये। **(5)**

1) साहित्य एक ललितकला है।

2) ठुमरी की भाषज्ञा उर्दु है।

3) मध्यकाल में ग्रंथ निर्मिती नही हुयी।

4) पं.केलुचरण महोपात्रा भरतनाट्यम् नर्तक है।

5) भरतमुनी के 200 पुत्र थे।

ब) कथ्थक नृत्य में कवित्त और ठुमरी का स्थान बताने के लिए नीचे दिए गए विकल्पों के आधार पर जानकारी दें। **(10)**

1) कवित्त की परिभाषा (सोदाहरण)

2) ठुमरी शब्द की परिभाषा, व्युत्पत्ती (उदाहरण– शब्दों की जानकारी भाव)

3) दोनों का कथ्थक नृत्य में महत्व

4) उनमें फरक

5) दोनों पेश करने के लिए कथ्थक नर्तक/नर्तिका को किन-किन चीजों का ज्ञान, अभ्यास होना जरुरी है?

प्रश्न 3) आधुनिक काल में कथकनृत्य प्रस्तुती करते समय सहाय्य करनेवाले तकनिकों की जानकारी दिजिए। **(15)**

प्रश्न 4) जीवनियाँ लिखिए। (कोई दो) **(15)**

1) महाराज कृष्णकुमार।

2) पं.सुंदरप्रसादजी।

3) पं.बिरजूमहाराज।।

प्रश्न 5) कोई पाँच ललितकलाओं के नाम लिखकर नृत्य का उनसे कोई संबंध है या नहीं- यह विचार लिखें। **(15)**

प्रश्न 6) अ) मुद्राएँ लिखिए। **(10)**

1) ब्रह्मा

2) इंद्र

3) अग्नी

4) वामन

5) परशुराम

6) वायु

7) लक्ष्मी

8) पार्वती

9) कल्की

10) यम

ब) पौराणिक साहीत्य में नृत्य के संदर्भ दें । (5)
(कोई पाँच लिखें)

प्रश्न 7) अ) रिक्त स्थानों की पुर्ती करें। (5)

1) एकताल में खाली -------- और -------- मात्रापर है।
2) नर्तन के ---------- भेद है।
3) नाट्यशास्त्र के ग्रंथकार ---------- है।
4) 'तकिट तकदिमी' ---------- जाती के बोल है।
5) परस्त्रीपर अनुरक्त नायक ---------- नायिक का प्रतिक माना जाता है।

ब) टिप्पणी लिखिएँ (कोई दो) (5X2 = 10)

1) नृत्य में लोकधर्मी तथा नाट्यधर्मी।
2) विदेशों में भारतीय नृत्यकला।
3) ताल प्रस्तुती में नगमा तथा तबला वाद्य का स्थान।